



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

16 माघ 1936 (श0)

(सं0 पटना 251) पटना, बृहस्पतिवार, 5 फरवरी 2015

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

27 जनवरी 2015

सं0 22/नि0सि0(मोति0)—08—11/2011/272—पश्चिमी चम्पारण जिलान्तर्गत बैरिया प्रखंड में कोपर पट्टी स्थल पर रिंग बांध के कोपर पट्टी कट इंड के अप स्ट्रीम में दिनांक 31.07.11 को क्षतिग्रस्त होने के कारणों की जांच हेतु संयुक्त सचिव (अभियंत्रण) के पत्रांक 2045 दिनांक 04.08.11 द्वारा द्विसदस्यीय समिति का गठन किया गया, जिसमें श्री श्रीधर सी0, जिला पदाधिकारी, पश्चिमी चम्पारण, बेतिया एवं श्री बैजू प्रसाद सिंह, अधीक्षण अभियंता, उड़नदस्ता अंचल, जल संसाधन विभाग, पटना को मनोनीत किया गया। समिति द्वारा दिनांक 24.10.11 को जांच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। समर्पित जांच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त प्रथम द्रष्टया प्रमाणित आरोपों के लिए श्री उमा नाथ राम, अधीक्षण अभियंता, जल निस्सरण अनुसंधान अंचल, मोतिहारी से निम्नांकित आरोपों के लिए विभागीय पत्रांक 196 दिनांक 23.02.12 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया :-

(1) अभियंता प्रमुख (उत्तर) द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में स्थल निरीक्षण कर विवेकपूर्ण यथोचित दिशा निर्देश नहीं दिये जाने के कारण उक्त स्थल पर संपादित कटाव निरोधक कार्य अभियंता प्रमुख (उत्तर) के पत्रांक 1065 दिनांक 27.04.11 एवं पत्रांक 1312 दिनांक 23.05.11 में दिये गये निदेशों से किसी के अनुरूप नहीं कराये गये, जिससे स्पष्ट होता है कि स्थल निरीक्षण/पर्यवेक्षण का पूर्ण अभाव था।

(2) पी0डी0 रिंग बांध के क्षतिग्रस्त भाग में वांछित बोल्टर की मात्रा से कम बोल्टर दिये जाने, स्लोप पिचिंग कार्य में कटेड बोल्टर के स्थल पर Loose Boulder Pitching किये जाने तथा Slope Pitching कार्य में Poor Work Man Slip पाये जाने के लिए।

(3) दिनांक 24.07.11 से ही पी0डी0 रिंग बांध स्थल पर कटान होने की एवं कार्य कराने जाने की सूचना दिये जाने के बावजूद स्थल निरीक्षण कर स्पष्ट दिश निर्देश न दिये जाने के लिए।

उक्त आरोपों के लिए पूछे गये स्पष्टीकरण का जवाब श्री राम ने अपने पत्रांक 91 दिनांक 14.05.12 द्वारा विभाग को समर्पित किया गया, जिसकी समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। समीक्षोपरान्त आरोप सं0-1 के संबंध में श्री राम का यह कथन कि उनके द्वारा कटाव निरोधक कार्य के समाप्ति के क्षणों में (26.06.11) कार्यभार ग्रहण किया गया स्वीकार्य योग्य नहीं पाया गया, क्योंकि अभिलेखों के आधार पर कटाव निरोधक कार्य दिनांक 06.05.11 को प्रारम्भ होकर दिनांक 10.07.11 को समाप्त हुआ। श्री राम द्वारा आरोप सं0-3 के संदर्भ में कोई भी उत्तर नहीं दिया गया। अतः उनके विरुद्ध आरोप सं0-1 और 3 प्रमाणित पाया गया।

उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री उमा नाथ राम, अधीक्षण अभियंता, जल निस्सरण अनुसंधान अंचल, मोतिहारी को विभागीय अधिसूचना सं०-613 दिनांक 21.05.13 द्वारा निम्न दंड संसूचित किया गया—

(1) एक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

उक्त दंड के विरुद्ध श्री राम अपने पत्रांक 644 दिनांक 27.06.2013 द्वारा पुनर्विलोकन अभ्यावेदन समर्पित किया गया जिसकी समीक्षा सरकार के स्तर पर गई। समीक्षोपरान्त इनके पुनर्विलोकन अर्जी को अस्वीकार करते हुए इनके विरुद्ध आरोप सं०-1 एवं 3 को प्रमाणित पाते हुए पूर्व में अधिरोपित दंड को यथावत रखने का निर्णय सरकार द्वारा ली गई।

तदनुसूच श्री उमा नाथ राम, अधीक्षण अभियंता, जल निस्सरण अनुसंधान अंचल, मोतिहारी द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अर्जी को अस्वीकृत करते हुए अधिसूचना सं०-613 दिनांक 21.05.13 द्वारा दिये गये दंड को यथावत रखा गया है।

उक्त आदेश श्री उमा नाथ राम, अधीक्षण अभियंता को संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
गजानन मिश्र,
विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 251-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>